This question paper contains 4 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक .....

7308 **A**

M.A./IV Sem.

SANSKRIT—Paper B 401

Brahmasutra

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी **एक** भाषा में दीजिए।

भाग 'क'

अन्विति-1

1. (i) निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 6

Explain the following with reference to the context :

अन्ये तु यत्र यदध्यासस्तस्यैव विपरीतधर्मत्वकल्पनामाचक्षते इति। सर्वथापि त्वन्यस्यान्यधर्मावभासतां न व्यभिचरति। तथा च लोकेऽनुभवः शुक्तिका हि रजतवदवभासते, एकश्चन्द्रः सद्वितीयवदिति।

[P.T.O.

अथवा *(Or)*

यदपि केचिदाहुः—'प्रवृत्तिनिवृत्तिविधितच्छेषव्यतिरेकेण केवलवस्तुवादी वेदभागो नास्ति' इति। तत्र, औपनिषदस्य पुरुषस्यानन्यशेषत्वात्। योऽसावुपनिषत्स्वेवाधिगतः पुरुषोऽसंसारी ब्रह्म.....।

अन्विति-2

(ii) निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following with reference to the context :

न च प्रतिपदविधाना षष्ठी न समस्यते इति कर्मणि षष्ठ्याः समासनिषेधः शङ्कनीयः, 'कृद्योगा षष्ठी समस्यते' इति प्रतिप्रसवसद्भावात्। ब्रह्मशब्देन स्वभावतो निरस्त निखिलदोषोऽनवधिकातिशयासंख्येयकल्याणगुणगणः पुरुषोत्तमोऽभिधीयते।

अथवा *(Or)*

परविद्यासु सर्वासु सगुणमेव ब्रह्मोपास्यं फलं चैकरूपमेवातो विद्याविकल्पः, इति सूत्रकारेणैव 'आनन्दादयः प्रधानस्य' 'विकल्पोऽविशिष्टफलत्वात्' इत्यादिषूक्तम्। वाक्यकारेण च सगुणस्योपास्यत्वं विद्याविकल्पश्चेक्तः 'युक्तं तद्गुणकोपासनात्' इति। भाष्यकृता व्याख्यातं च 'यद्यपि सच्चित्तः' इत्यादिना।

भाग 'ख'

अन्विति-1

2 (i) निम्नलिखित की शाङ्करभाष्य के अनुसार व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following in the light of Śāṅkarabhāṣya :

इतरेषां चानुपलब्धेः।

अथवा *(Or)*

युक्तेः शब्दान्तराच्च।

अन्विति-2

श्रुतेस्तु-शब्दमूलत्वात्। 5

अथवा *(Or)*

वैषम्यनैर्घृण्ये न सापेक्षत्वात्तथाहि दर्शयति।

अन्विति-3

रचनानुपपत्तेश्च नानुमानम्। 5

अथवा *(Or)*

नासतोऽदृष्टत्वात्।

अन्विति-4

न भावोऽनुपलब्धेः। 5

अथवा *(Or)*

नैकस्मिन्नसंभवात्।

अन्विति-5

(ii) निम्नलिखित की श्रीभाष्य के अनुसार व्याख्या कीजिए : 5

Explain the following in the light of Śrībhāsya :

न च कर्तुः करणम्।

अथवा *(Or)*

विप्रतिषेधाच्च

3. (i) शंकर के अनुसार अविद्या **अथवा** ब्रह्म का स्वरूप क्या है? 5

What is the nature of Avidyā ***or*** Brahma according to Śaṁkara.

(ii) रामानुज के अनुसार 'ब्रह्मजिज्ञासा' पद की व्याख्या कीजिए। 5

Explain the term 'ब्रह्मजिज्ञासा' according to Rāmānuja.

अथवा *(Or)*

रामानुज द्वारा किए गए 'अविद्या' के खण्डन का विवेचन कीजिए।

Discuss the refutation of 'Avidyā' by Rāmānuja.

4. शंकर और रामानुज के द्वारा प्रतिपादित 'पाञ्चरात्रमत' की समीक्षा कीजिए। 10

Examine the 'पाञ्चरात्रमत' propounded by Śaṁkara and Rāmānuja.

अथवा *(Or)*

शंकर द्वारा किए गए 'ईश्वरकारणवादी' शैव मत के खण्डन का विवेचन कीजिए।

Discuss the refutation of Iśvarākaranāvadi Śaiva' by Śaṁkara.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से **एक** टिप्पणी **संस्कृत** में हो : 7+7

Write short notes on any ***two*** of the following of which one should be in ***Sanskrit*** :

ध्रुवानुस्मृति, ध्यान, क्षणभङ्गवाद, परमाणुकारणवाद।